Question bank- 2026-27
Subject- Hindi
Std - VIII

Goyal brothers publication (वाणी- हिंदी पाठमाला 8)

<u>शब्दार्थ</u>

क्वार- अश्विन का महीना

पांव फैलाना- उदित होना

बगीची- छोटी बगिया

ताप- गर्मी

क्षणिक - पल भर रहने

<u>बातों बातों में</u>

1) **कवि ने सूर्य को बोल सूर्य क्यों कहा है?**

उ) कवि ने सूरज को बोल सूर्य इसलिए कहा है क्योंकि प्रातः काल सूर्य की तपिश बहुत ही कम होती है।

2) **कवि ने सूर्य को सत्य कहा है क्यों?**

उ) कवि ने सूर्य को इसलिए सत्य कहा है क्योंकि इस पृथ्वी पर जीवन का परम स्रोत सूर्य ही है।

3) **कवि किस प्रकार जीना चाहते हैं?**

उ) कवि के अनुसार पल-पल में जीवन है इसीलिए हर एक पल हर एक क्षण को खुशी से आनंद से जीना चाहिए।

4) **इस कविता के माध्यम से कई क्या कहना चाहते हैं?**

उ) कभी कहते हैं इस जीवन में सुख और दुख और उसकी भांति है सुख और दुख क्षणिक है हमें सुख और दुख दोनों को ही समान स्थिति में समझाना और उनका जीना चाहिए। कवि के अनुसार बड़ी सफलता जिस प्रकार सूर्य के समान सुख देता है इस प्रकार उसके बूंद की तरह क्षणिक सुख भी जीवन में महत्वपूर्ण है।

<u>लिखिए</u>

1) **ओसकी बंदे अभी थी अभी नहीं है। ,-इस पंक्ति के माध्यम से कई क्या कहना चाहते हैं?**

उ) इन पंक्तियों के माध्यम से कई क्षणिक सुख के विषय में बता रहे हैं वह कहते हैं क्षणिक सुख और ओसकी बूंद के समान होते हैं जो पल भर में आती है और कुछ क्षण में ही ओझल हो जाती है।

2) **कवि ने ओस की बूंद की तुलना किस की है?**

उ) कवि ने ओसकी बूंद की तुलना क्षणिक सुख से की है।

3) **प्रातः कालीन सूर्य से बगीचे में क्या परिवर्तन आता है,?**

उ) प्रातः कालीन सूर्य के बगीचे में आने से पूरा बगीचा झिलमिलाने लगता है पत्ता पत्ता चमकने लगता है और ओस कण जगमगने लगते हैं।

4) **जीवन में आने वाली खुशियों के संदर्भ में कवि की क्या धारणा है?**

उ) कवि के अनुसार आने वाली खुशियां जीवन के उद्देश्य को उजागर करती है उसके बूंद की तरह सुख और दुख क्षणिक होते हैं हमें इन दोनों का स्वागत करना चाहिए और हर परिस्थिति में अपने आप को खुश रखना चाहिए।

पाठ 2 खूबसूरत दुनिया

<u>शब्दार्थ</u>

राज- शासन

आविष्कार- नवनिर्माण

ब्रह्मांड- विश्व

दानव- राक्षस

अभिनव युग- आधुनिक युग

समृद्ध- संपन्न सशक्त

जंगल-वन

उपकरण- औजार

परिवर्तन- बदलाव

जीवाश्म- अमृत जीवन के अवशेष

अवशेष- बचा हुआ शेष भाग

चक्रवात- बवंडर आंधी

बुद्धिमान- समझदार

<u>बातों बातों में</u>

1) **पाठ में खूबसूरत दुनिया के बारे में क्या बताया गया है?**

उ) हमें खूबसूरत दुनिया में रहते हैं ऐसी दुनिया जो निराली चीजों से भरी है ऐसी दुनिया जिसमें ऊंचे पहाड़ और गहरे सागर है वह असीम ऊर्जा और आनंद से भरी है।

2) **जलवायु परिवर्तन के कारण क्या-क्या हो रहा है?**

उ) जलवायु परिवर्तन के कारण धरती गर्म हो रही है महासागर का जल बढ़ रहा है ग्लेशियर पिघल रहे हैं और फैसले खराब हो रही है।

3) **अभिनव युग से पहले हमारा जीवन इतना आसान नहीं था कैसे?**

उ) अभिनव युग से पहले हमारा जीवन इतना आसान नहीं था क्योंकि हमारे पास जीने के साधन नहीं थे खेती-बाड़ी नहीं थी और ना ही कल कारखाने थे।

4) **जीवाश्म क्या होते हैं?**

उ) अमृत जीवन के अवशेषों को जीवाश्म कहते हैं जीव या पेड़ पौधे जब मर जाते हैं उनके मरने के बाद मिट्टी के नीचे हजारों साल बीतने पर वह अवशेष फिर से कार्बन का रूप ले लेते हैं जैसे कोयला गैस और तेल।

5) **अभिनव युग का संतुलन कैसे बिगड़ गया?**

उ) हम धरती के गर्भ से कोयला और पेट्रोलियम निकलते हैं हम अपना जीवन जीते हैं मगर हमने इस हद तक खुदाई कर ली है और इतना जीवाश्म ईंधन जलाया है कि अभिनव युग का संतुलन बिगड़ गया है।

<u>लिखिए</u>

1) **मनुष्य ने अपना जीवन आसान बनाने के लिए क्या किया?**

उ) मनुष्य ने अपने जीवन आसान बनाने के लिए चमत्कारी तकनीक बनाएं और मशीनों का प्रयोग करना आरंभ किया।

2) **मनुष्य को जलवायु परिवर्तन का जन्मदाता क्यों कहा गया है?**

उ) मनुष्य को जलवायु परिवर्तन का जन्मदाता है इसलिए कहा जाता है क्योंकि वह अपनी आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए प्रकृति का नुकसान करता है पेड़ पौधों को काटता है और अपने साथ सभी जीवो के जीवन को खतरे में डाल रहा है।

3) **अभिनव युग में किस-किस का जन्म हुआ?**

उ) अभिनव युग में जीजा की पिरामिड सिंधु घाटी के शहर मौर्य साम्राज्य और रोमन साम्राज्य का जन्म हुआ।

4) **ढाई सौ वर्ष पूर्व किसकी शुरुआत हुई और इसका क्या प्रभाव पड़ा?**

उ) ढाई सौ वर्ष पहले आया औद्योगिक युद्ध मशीनी युग अब तक हमने हाथ से इस्तेमाल होने वाले उपकरणों का ही अधिक प्रयोग किया था।इस कारण हम प्रकृति को उतना नुकसाननहीं पहुंच पाए जितना हाथ से पहुंचा सकते थे मगर मशीनों के द्वारा अब हम कुछ भी कर सकते हैं।

5) **गर्मी जलवायु परिवर्तन का कारण बन रही है कैसे?**

उ) हम जितना अधिक कोयला और तेल जलते हैं उतना अधिक कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ते हैं यह वातावरण में जमा होता है कार्बन डाइऑक्साइड सूरज की गर्मी को वायुमंडल में रोक लेती है और इस कारण धरती गर्म होती जा रही है धरती भट्टी बन रही है और यह गर्मी जलवायु परिवर्तन का कारण बन रही है।

पाठ 3(इतिहासकार पेड़)

<u>शब्दार्थ</u>

भृंग - भंवरा

बहरूपिया- अनेक प्रकार के रूप धारण करने वाला

अदृश्य- जो दिखाई ना दे

वनग्नि- वन की आग

अल्पजीवी- अल्पायु

विशालकाय- विशाल शरीर वाला

निष्क्रिय- बेकार

वृतुलाकर- वृत्त के आकार वाला

संकरा- काम चौड़ाई का तंग

परीक्षण- जांच परीक्षा लेने की क्रिया

सरीखा- समान

परिदृश्य- चारों ओर वाला दृश्य

छिद्र- छेड़ सुराख

घाव- जख्म

अनियमित- एक समान ना होना

<u>बातों बातों में</u>

1) **पाठ में पेड़ को असली इतिहासकार की संज्ञा क्यों दी गई है?**

उ) पेड़ों को असली इतिहासकार इसलिए कहा गया है क्योंकि वह अपने अंतर कास्ट में समिति यादों के जरिए हमें अतीत की झलकियां दिखाई हैं। अन्य किसी भी जीव से पेड़ों की आयु अधिक होती है!

2) **क्या पेड़ अन्य जीवित प्राणियों की तुलना में अधिक समय तक जीवित रहते हैं और क्यों?**

उ) हां पेड़ अन्य जीवित प्राणियों की तुलना में अधिक समय तक जीवित रहते हैं सभी जीवित प्राणियों की तरह पेड़ भी कोशिकाओं से बने हैं यह कोशिकाएं अल्पजीवी है परंतु हरदम नई कोशिकाएं जन्म लेती रहती हैं इसीलिए पेट उगते हैं और झड़ते हैं और फिर नए पट्टे उगते हैं।

3) **वृत्त संकरा कब बनता है?**

उ) जब कभी गर्मियों में तापमान बहुत बढ़ता है या सूखा पड़ता है तो पेड़ों की बढ़ती की दर कम हो जाती है और उसे साल वृत संकरा बनता है।

4) **वैज्ञानिक पेड़ों की उम्र कैसे ज्ञात करते हैं?**

उ) पेड़ के तने में छिद्र कर अतः काष्ठ तक की लंबी संकरी लकड़ी निकल जाती है जिसे वैज्ञानिक पेड़ की उम्र तय करते हैं वह वृत्त गिनते हैं और हर एक ही चौड़ाई रंगत आदि का परीक्षण करके जानते हैं कि उसे पेड़ की उम्र कितनी है।

5) **पेड़ों के व्रत और नक्शा या आकर अनियमित कब होता है?**

उ) जब सुख और ठंडा मौसम वाले क्षेत्रों में अचानक तापमान बढ़ जाता है या उष्ण क्षेत्र में ठंड बढ़ जाती है तो वहां के पेड़ों के वृतों का नक्शा या आकार और नियमित हो जाता है।

<u>लिखिए</u>

1) **पाठ में पेड़ों की किन यादों के बारे में बताया गया है ? क्या मनुष्य की तरह पेड़ की भी यादें होती हैं?**

उ) जलवायु परिवर्तन और विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं को पेड़ों की यादों में गिना जाता है हां मनुष्य की तरह पेड़ों की भी यादें होती हैं।

2) **कोशिकाएं पेड़ों की मदद कैसे करती हैं?**

उ)। पेड़ों में हमेशा नई कोशिकाएं जन्म लेती रहती हैं इसीलिए पेट उगते और झड़ते हैं और फिर नए पट्टे आते हैं।

3) **वृत्तों से आप क्या समझते हैं लिखिए?**

उ) कोशिकाएं तने में वर्त्तुलाकर यानी अंगूठी के आकार में बढ़ती हैं इन्हें वृत्त कहते हैं व्रत के रंगत अलग-अलग होती है सबसे पुराने व्रत तने के सबसे अंदरूनी भाग में होते हैं।

4) **पारिस्थितिक तंत्र किसे कहते हैं किसी क्षेत्र में पारिस्थितिक तंत्र का कैसे पता चलता है?**

उ) लंबे समय तक पुराने वृक्षों के वृत्तो अध्ययन करने से समझ में आता है कि किसी भी क्षेत्र के पारिस्थितिक तंत्र पर यानी जीवित वस्तुओं के हालात पर मौसमी बदलाव का क्या असर होता है। इसे डेंडरॉकल्यामेटोलॉजी कहते हैं।

5) **सिक्किम और तिब्बत में पेड़ों की वृद्धि किस से प्रभावित हो रही है?**

3)। सिक्किम और तिब्बत में उगने देवदार जाति के पेड़ों की ऊंचाई अब हर साल पहले से ज्यादा बढ़ने लगी है क्योंकि तापमान बढ़ गया है और पेड़ ऊंचे जाकर ठंडी हवा खोज रहे हैं।

पाठ -5

किसको नमन करूं?

<u>शब्दार्थ</u>

नदीश - समुद्र

गिरि-पहाड़

नमन- नमस्कार

वाचक-बताने वाला सूचक

शील - चरित्र चाल-चलन

भूमंडल- पृथ्वी धरती

भास्वर-चमकीला

निखिल- संपूर्ण सारा

घोष- घोषणा आवाज

धर्म दीप- धर्म रुपी दीपक

कर- हाथ

ललाट-माथा

<u>बातों-बातों में</u>

1 इस कविता में कवि किस दुविधा में फंसे हैं और क्यों?

अपने सुंदर देश की महानता को नमन करें उसके प्राकृतिक सौंदर्य को नमन करें, उसके सांस्कृतिक धरोहर को या फिर उन महापुरुषों को जिन्होंने सत्य धर्म या और शांति के लिए अपने प्राण न्योछावर किए हैं। यह सोच कर कभी दुविधा में है।

2 भारत शांति का परिचायक है आज के परिवेश में शांति से आपका क्या अभिप्राय है अपने विचार बताइए?

हां यह सत्य है भारत शांति का परिचायक आज के परिवेश मैं शांति का अभिप्राय एक ऐसा समाज जहां अराजकता हिंसा अधर्म और असत्य ना होकर चारों तरफ ध्यान सुख धर्म और अहिंसा का विस्तार हो।

3 कविता में ललाट का चंदन किसे कहा गया है और क्यों?
कविता में उन महापुरुषों को ललाट का चंदन कहा गया है जिन्होंने शांति धर्म सत्य और न्याय के लिए अपने प्राणों की आहुति दी।

4 विश्व शांति के लिए आवाज उठाने वाला देश कौन सा है?
विश्व शांति के लिए आवाज उठाने वाला देश की वन मेरा भारत देश है।

5 भारतवासी किसके लिए अडते हैं और किसके लिए प्राण निछावर करते हैं?
भारतवासी शक्ति के लिए अडते हैं और न्याय की लिए प्राण निछावर करते हैं।

<u>लिखिए</u>

1. कवि किसे नमन करना चाहते हैं और क्यों?
   कवि अपने देश को नमन करना चाहते हैं अपने भारत बस को नमन करना चाहते हैं जो सर्वगुण संपन्न में है जहां प्रकृति सांस्कृतिक धरोहर और धर्म सत्य अहिंसा के समर्थक हैं।

2. कवि ने भारत को सांस्कृतिक रुप से समृद्धि क्यों बताया है लिखिए?
   इस देश की संस्कृति केवल संस्कृति नहीं है यह इतिहास रचता है और ज्ञान फैलाता है इस देश की संस्कृति ना केवल धर्म बल्कि प्रेम और शांति का प्रचार करती है इसीलिए कवि ने भारत को सांस्कृतिक ग्रुप से समृद्ध बताया है।

3. निखिल विश्व की जन्मभूमि बंधन को नमन करूं - पंक्ति माध्यम से कवि क्या कहना चाहते?
   इस पंक्ति के माध्यम से कवि कहना चाहते हैं कि मैं उस भारत को नमन करना चाहता हूं जहां पर सभ्यता की शुरुवात हुई जहां पर जान का आलोक पहले आया वह मेरा भारत देश है मेरा भारत एसी सभ्यता को जन्म देने वाला देश है।
4. धर्म दीप से आप क्या समझते हैं? कवि ने धर्म लिप हाथ में धारण करने वाले को ही भारतीय क्यों कहा है?

धर्म जिसका अर्थ है धर्म का प्रचार प्रसार करना उसकी ज्योति चारों संसार में फैलाना धर्म दीप हाथ में धारण करने वाले को भर के इसलिए कहा गया है क्योंकि कवि का मानना है कि धर्म तो प्रचार धर्म का महत्व भारतीयों से अधिक कोई नहीं जानता।

5. **किसको नमन करूं कविता के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए?**
   अपने देश की महानता को देखकर उनके विशेषताओं को जानकर कभी के मन में दुविधा उत्पन्न होती है कि वह किसे नमन करें इस से कविता की सार्थकता सिद्ध होती हे।

पाठ 6

संतोष की सरिता

<u>शब्दार्थ</u>

कोतूहल वश-उत्सुकता के कारण

अभिवादन-नमस्कार

सहयोगी-कार्यालय में साथ-साथ काम करने वाले

हाकिम हुक्मारा-शशन करने वाले अधिकारी

विषाद-दुख

बैरागी-उदासीन

निस्सार-महत्व हीन

जहमत-तकलीफ

दालान-बरामदा

निक रुष्ट-नीच

समृद्धि-उन्नति

पीड़ा कृत वेदना-कष्ट से उपजा हुआ दुख

लूना ई-सलोना पन

बातों-बातों में

1. **नीलिमा कहां गई हुई थी?**

   नीलिमा मंदिर गई थी।
2. **मंदिर के आगे लेखक ने किस को देखा?**

   मंदिर के आगे लेखक में अपने पुराने परिचित पटेल जी को देखा।
3. **क्या सचमुच लेखक पटेल जी का पूर्व परिचित उन्हें देखकर लेखक हो क्या स्मरण हुआ या?**

हां, सचमुच वह वह आदमी जिसे नीलिमा ने लड्डू दिए थे, वह लेखक का पूर्व परिचित था। लेखक को स्मरण हो आया कि वे नाथूखेड़ी में जब स्टेशन मास्टर थे तब ऑफिस में राम राम बाबूसा कहते हुए पटेल जी ने उनका अभिवादन किया था और उनके एक सहयोगी ने उनसे उनका परिचय करवाया था। उनकी घनी मूछों में उनका चेहरा चमक रहा था।

4. **नाथू खेड़ी गांव के पटेल जी की क्या आदत थी?**

   पटेल जी ऑफ इलाके के जाने-माने व्यक्ति थे। हर बाबू सा हकीम हुक्मरान से मेल मिलाप रखने की उनकी आदत थी।
5. **काका सा को घर लाने की तरकीब लेखक को किसने सुझाई?**

   काका सा को घर लाने की तरकीब लेखक को उनकी पत्नी ने ली माने सुझाई!

<u>लिखिए</u>

1. **लेखक के साथ पटेल जी का परिचय एवं घनिष्ठता कब कहा और कैसे हुई?**

   लेखक जब नाथू खेड़ी में स्टेशन मास्टर थे तब उनकी मुलाकात पटेल जी से हुई थी। पटेल जी वहां के प्रतिष्ठित व्यक्ति थे औरं हाकिम हुक्म रान के मेल मिलाप रखना पटेल जी की आदत थी।
2. **मंदिर से आते समय लेखक ने क्या सोचा और क्या किया?**

   मंदिर से आते समय लेखक ने सोचा किस तरह वह अपने साथ पटेल जी को अपनी घर ले आएं उनकी पत्नी ने उन्हें एक युक्ति सुझाई। जिससे वह पटेल जी को घर लाने में सफल हो गए।
3. **वृद्ध पटेल जी ने अपनी क्या आपबीती सुनाई?**

   वृद्ध पटेल जी ने अपने बेटों के बारे में बताया जिन्होंने उनकीं पत्नी के मरने के बाद उन्हें बहुत यातनाएं दी। अपने पिता को दो वक्त की रोटी देने के लिए बिन आपस

में झगड़ते से उनके इस व्यवहार के कारण पटेल जी ने निर्णय लिया कि वह मंदिर के प्रांगण में अपने बाकी बचे दिन साथ लेंगे।

4. **नीलिमा पटेल जी के साथ कैसे व्यवहार कर रही थी?**
   नीलिमा पटेल जी के साथ अपने पिता के समान सम्मान पूर्वक व्यवहार करती थी वह उन्हें किसी भी चीज की कमी महसूस होने नहीं देती थी उनके आराम का पूरा ध्यान रखती थी।
5. **डेढ माह की अवधि के बाद काकासा नीलिमा से क्या सवाल पूछते थे?**
   डेढ माह की अवधी के बाद काका सा नीलिमा से पूछा करते कि बहू जी भैया ट्रेनिंग से वापस कब आएंगे और नीलिमा उन्हें झूठी दिलासा दिया करती थी।
6. **संतोष की सरिता किसके उदय में कल कल नाद करती प्रतीत होती थी और क्यों?**
   संतोष की सरिता लेखक के उदय में कल कल नाद करती प्रति होती थी क्योंकि उन्हें संतोष मिलता था जब वह पटेल जी को साफ सुथरे कपड़े पहने हुए सुख संतुष्ट होकर इधर-उधर आते-जाते देखते थे तब उन्हें लगता था जैसे कि वह उनके बाबूजी है।।!

पाठ -7

करो योग रहो निरोग

<u>शब्दार्थ</u>

निवृत्ति-समाप्ति

अष्टांग-आठ अंग

विकार-खराबी

जठाराग्नि-पीठ की आग या ज्वाला

कीर्तिमान-विख्यात

प्रासंगिक-पसंद से संबंधित

बातों-बातों में

1. **प्राचीन काल के ऋषि-मुनियों ने आरंभ में ही क्या जान गया था?**

प्राचीन काल में हमारी ऋषि-मुनियों और योग्य ने आरंभ में ही समझ लिया कि स्वस्थ शरीर और मस्तिष्क के बिना जीवन का कोई मोल नहीं है अतः उन्होंने ऐसे विशारद एवं प्रभावी विद यू की खोज निकाली जिससे मनुष्य स्वस्थ और निरोग रहे।

2. योग में किसका विशेष महत्व है?
   युद्ध में प्राणायाम का विशेष महत्व है।
3. प्राणायाम की कितनी प्रकार होते हैं?
   प्राणायाम के तीन प्रकार होते हैं अनुलोम विलोम कपालभाती प्राणायाम और भ्रामरी प्राणायाम।
4. योगाभ्यास किन किन विकारों से छुटकारा मिलता है?
   योगाभ्यास से ना केवल शारीरिक लाभ होता है बल्कि मानसिक विकारों से छुटकारा मिलता है योगाभ्यास से व्यक्ति की अनेक छमता का विकास होता है शरीर बलवान बनता है सादगी चिंता वह तनाव से मुक्ति भी मिलती है।
5. समस्त ब्रम्हांड किससे निर्मित है?
   समस्त ब्रम्हांड पंच तत्वों से निर्मित है।

<u>लिखिए</u>

1. योग में प्राणायाम के महत्व को बताइए?
   योग में प्राणायाम का विशेष महत्व है प्राण का अर्थ जीवन शक्ति एवं आयाम का अर्थ ऊर्जा पर नियंत्रण होता है अर्थात स्वास्थ लेने संबंधी कुछ विशेष तकनीकों द्वारा जब प्राण पर नियंत्रण किया जाता है उसे प्राणायाम कहते हैं।
2. सूर्य नमस्कार क्या है?
   सूर्य नमस्कार सबसे श्रेष्ट आसन यह संपूर्ण शरीर को आरजू रजा एवं शक्ति प्रदान करता है इससे शरीर के सभी अंग अत्यंत की क्रियाशील तक आती है। इससे शरीर के समस्त आंतरिक ग्रंथियां सुचारु रुप से चलती है।
3. अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के बारे में बताइए।
   2014 में भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त राष्ट्र को 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रुप में मनाने का सुझाव दिया था सर्वप्रथम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन 21 जून 2015 को किया गया था जिसने विश्व भर में कई कीर्तिमान स्थापित किए वर्तमान में योग भारत की नहीं पूरे विश्व के लिए प्रासंगिक विषय बना हुआ है।

4. **योग से हमें क्या क्या फायदे होते हैं?**

योग के एक नहीं अपितु अनेक लाभ हैं योग सूत्र में हजारों वैसे आसन बताए गए हैं जिनसे हमारे शरीर के प्रत्येक अंको रोग मुक्त किया जा सकता है रोग व्याधि अनुसार लाभ देने वाले कई ऐसे योग है जो ना केवल हमारे शरीर को बल्कि हमारे मस्त उसको भी सुचारु रुप से सेहतमंद रखते हैं।